भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं .1172
9 फरवरी, 2022 को उत्तर दिए जाने के लिए

गहरे महासागर संबंधी मिशन

1172. एडवोकेट ए.एम.आरिफ:

क्या पृथ्वी विज्ञान मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(झ) क्या सरकार ने इस आशंका पर ध्यान दिया है कि हाल ही में स्वीकृत गहरे महासागर संबंधी मिशन से कॉरपोरेट घरानों द्वारा समुद्री संसाधनों का अत्यधिक दोहन होगा जिससे देश के लाखों मछुआरों का जीवन और आजीविका प्रभावित होगी;

(ञ) यदि हां,तो क्या सरकार ने इस संबंध में मछुआरों, विशेषज्ञों और राज्य सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ विचार- विमर्श करने के लिए कोई कदम उठाए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण है; और

(ट) क्या गहरे महासागर संबंधी मिशन सरकार की 'ब्लू इकोनॉमी' पहल से संबंधित है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) डीप ओशन मिशन के परिणामस्वरूप कॉरपोरेट कंपनियों द्वारा समुद्री संसाधनों का कोई भी अति दोहन नहीं किया जाएगा, तथा इससे देश में मछुआरों के जीवन एवं जीविका पर कोई असर नहीं पड़ेगा। डीप ओशन मिशन का उद्देश्य समुद्र की गहराईयों में छिपे संसाधनों का अन्वेषण करना तथा उनके संवहनीय उपयोग हेतु प्रौद्योगिकियां विकसित करना है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य संभावित नए संसाधनों की पहचान करना तथा भविष्य में उनके दोहन हेतु प्रौद्योगिकी विकसित करना है, जिससे लोगों के जीवनयापन हेतु अतिरिक्त प्रौद्योगिकी का सृजन किया जा सके।

(ख) लागू नहीं।

(ग) जी, हां। डीप ओशन मिशन का संबंध ब्लू इकोनॉमी के साथ है। डीप ओशन मिशन की गतिविधियां ब्लू इकोनॉमी के मत्स्य पालन, पर्यटन एवं समुद्री ट्रांसपोर्ट, अक्षय ऊर्जा, एक्वाकल्चर, समुद्री निष्कर्षण गतिविधियां तथा समुद्री जैवप्रौद्योगिकी जैसे प्रत्येक घटक में सहायता करेंगी।

*****